हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 17 जून 2024

11 नशा न करने की दिलाई शपथ

12 मिड-डे मील कर्मियों को 3 माह से नहीं मिल रहा वेतन, उठानी पड़ रही परेशानियां

खबर संक्षेप

दंपति से मारपीट के आरोप में 5 नामजद

कनीना। कनीना के वार्ड आठ में मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने पांच व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में महिला सुनिता ने बताया कि उसके पति रिषीराज सहित उन पर चाचा ससुर सतीश कुमार, चाची सास कैलाश देवी व उनके तीन लड़के प्रशांत कुमार, सिद्वार्थ कुमार व अनुज कुमार ने ईंट-पत्थर व लाठी-डंडों से हमला बोलकर घायल कर दिया। जिन्हें उप नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया। पुलिस ने बीएचटी हासिल करने तथा महिला से मिली शिकायत के आधार पर उपरोक्त पांच आरोपितों के खिलाफ मारपीट व धमकी देने के आरोप में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

स्वामी ब्रह्मानंद को दी श्रद्धांजलि

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन के सदस्यों ने संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया, जिसमें राजकीय पीजी कॉलेज नारनौल की प्रिंसिपल पूर्णप्रभा के परमपूज्य पिता श्रद्धेय स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती के आकस्मिक देहावसान पर संगठन के कार्यालय में दो मिनट का मौन धारण करके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी जी के आर्य समाज के उत्थान के लिए किए गए कायार्ें को सदा स्मरण किया जाएगा। स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती ने स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा किए गए समाज सुधारों को जन-जन तक पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया।

निर्जला एकादशी धनौंदा में भंडारा आज

कनीना। निर्जला एकादशी के अवसर पर 17 जून को धनौंदा में प्याऊ गौशाला के समीप भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक आयोजित होने वाले इस समारोह में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। सेवानिवृत्त डीएसपी बनवारी लाल ने बताया कि समारोह में दुर-दराज से श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। इसके अलावा जगह-जगह फल व ठंडे-मीठे पानी की छबील भी लगाई जाएगी।

हैकर्स ने एलआईसी फंड के नाम पर 40 हजार चपत

कनीना। हैकर्स ने कनीना मंडी के एक व्यक्ति को झांसे में देकर एलआईसी फंड के नाम पर करीब 40 हजार रुपये की चपत लगा दी। इस बारे में कनीना मंडी निवासी नरेश कुमार ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 जून को उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई। जिसमें कॉलर ने बताया कि वह एलआईसी एजेंट बोल रहा है, आपकी पुरानी पॉलिसी है। जिसमें 15 हजार रुपये का फंड आया हुआ है, लेकिन वह 55 हजार रुपये से कम कीमत का चेक नहीं बना सकते है, इसलिए 40 हजार रुपये भेज दो, तो आपके नाम 55 हजार रुपये का चेक भेज देंगे। नरेश कुमार उसकी बातों में आ गया और उसकी ओर से बताए गए नंबरों पर दो किस्तों में 39960 रुपये फोन-पे से भेज दिए।

नारनौल डिपो की सभी 10 एसी बस जाएंगी सिरसा, 'चुनाव खत्म-सुविधा खत्म'

हरियाणा राज्य परिवहन के महानिदेशक ने जारी किया पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खास बातें

- नारनौल रोडवेज जीएम बोले...हैडक्वार्टर का आदेश
- दो दिन पहले ही हरियाणा राज्य परिवहन के महानिदेशक की ओर से फरमान जारी किया
- 10 बीएस-फॉर अशोका लिलैण्ड बस भेजी जाएगी।

हरियाणा रोडवेज ने करीब 10 माह पहले नारनौल डिपो को 10 एसी बस की सौगात दी थी। इसके बाद पासिंग व अन्य दस्तावेज तैयार करने में समय लग गया। इस समय सभी एससी बस लंबे रूट पर दौड़ रही है। दो दिन पहले ही हरियाणा राज्य परिवहन के महानिदेशक की ओर से फरमान जारी किया है कि नारनौल की सभी 10 एसी बसों को रोडवेज सिरसा भेजी जाए। इस पत्र के जारी होने के बाद नारनौल डिपो बस को भेजने की तैयारी में जुट गया है। वहीं दूसरी ओर यह चर्चा भी जोर पकड़ने लगी है कि लोकसभा चुनाव में सत्तादल भाजपा महेंद्रगढ़ जिला की सभी चारों विधानसभा से जीत दर्ज की। इसके बावजूद 'चुनाव खत्म-सुविधा खत्म' कहावत शुरू हो गई है। हरियाणा राज्य परिवहन के महानिदेशक ने 14 जून को जीएम रोडवेज को पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि तीन मई को अतिरिक्त निदेशक-1 राज्य परिवहन हरियाणा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संयुक्त राज्य परिवहन नियंत्रक (तकनीकी), उप-परिवहन नियंत्रक (यातायात) व सभी महाप्रबंधक के साथ आयोजक की गई बैठक में बसों के बेडे अनुसार संचालक की संभावना व चालक/परिचालकों के स्टाफ की कमी/अधिकता बारे निर्णय लिया गया है। जिन आगारों में बसों की कमी, चालक/परिचालक की अधिकता/कमी के अनुसार उप परिवहन नियंत्रक/यातायात शाखा (कार्य प्रभारी) की अध्यक्षता में बसों के स्थानांतरण की सूची तैयार की गई है। उसके अनुसार नारनौल रोडवेज की 10 बीएस-सिक्स एचवीएसी आयशर को सिरसा डिपो स्थानांतरण किया जाएगा। वहीं कुरूक्षेत्र से 10 बीएस-फॉर अशोका लिलैण्ड बस भेजी जाएगी।

152डी पर एक व बाकी झुंझनूं-दिल्ली रूट पर चल रही बस

नारनौल डिपो प्रधान हंसराज यादव ने बताया कि करीब 10 माह पहले नारनौल डिपो को 10 एससी बस मिली थी। इनमें एक बस 152डी पर चल रही है। बाकी नौ बसों को दिल्ली वाया नारनौल होते हुए झुंझनूं रूट पर चलाया जा रहा है। शुरू में जब यह बसें चली तब रिसिट कम आई थी। उसी को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने यह आदेश दे दिया जबकि अब इन बसों की रिसिट भी ठीक आ रही है। ऐसा भेदभाव नारनौल डिपो के साथ पहले भी हो चुका है। दस साल पहले भी दो वोल्वो बस नारनौल को मिली थी। उन बसों को भी एक साल बाद ही रेवाड़ी डिपो में भेज दी। यह महेंद्रगढ़ जनता के लिए भेदभाव है। उनकी मांग है कि सभी एसी बसों को नारनौल डिपो में ही रहने दिया जाए।

क्या कहते है जीएम

नारनौल रोडवेज जीएम अनित यादव ने बताया कि हेडक्वार्टर के आदेश है। उन्हें आदेशों की पालना करनी है। अभी भी इन बसों की रिसिट कम आ रही है। इन सभी 10 एससी बसों को सिरसा डिपो भेजने की तैयारी की जा रही है।

ऑनलाइन ठगी की बढ़ रही घटनाएं छह अलग-अलग वारदातें आई सामने

अधिकांश ठगी करने वाले दूर दूसरे राज्य में बैठकर इन घटनाओं को अंजाम दे रहे

जिला में ऑन लाइन ठगी के लोग शिकार हो रहे है, ऐसी वारदात की संख्या अब निरंतर बढ़ने लगी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला में ऑन लाइन ठगी के लोग शिकार हो रहे है। ऐसी वारदात की संख्या अब निरंतर बढ़ने लगी है। शायद ही ऐसा कोई दिन हो जिस दिन भोले भाले लोग इस शातिर ठग की ठगी के शिकार नहीं हो रहे हो। पुलिस भी ऐसे अपराधियों को पकड़ने के लिए पसीने बहा रही है। अधिकांश ठगी करने वाले दूर दूसरे राज्य में बैठकर इन घटनाओं को अंजाम दे रहे है। इसी वजह से पुलिस पकड़ से भी यह अपराधी दूर रहते है।

केस नं. 3 : बुजुर्ग के ढाई लाख रुपये छीनकर दो बदमाश हुए फरार

महेंद्रगढ़। अत्तर सिंह ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव सुरजनवास का निवासी हैं। 15 जून को वह पंजाब नैशनल बैंक से ढाई लाख रुपये निकलवाकर राव तुलाराम चौक के पास स्टेट बैंक ऑफ में जमा कराने के लिए जा रहा था, जब वह यादव धर्मशाला के पास पहुंचा तो दो अज्ञात व्यक्ति ने मेरी बाइक के बैग से रुपये का पॉलिथीन छीनकर भाग गए। उन्होंने बताया कि पॉलिथीन में ढाई लाख रुपये, बैंक पास बुक और दो चैक बुक थी।

केस नं. 4 : हरियाणा पुलिस के जवान से ठगे 56 हजार रुपये

महेंद्रगढ़। जयभगवान ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव बसई का निवासी है तथा हरियाणा पुलिस में बतौर सिपाही के पद पर चरखी दादरी में कार्यरत है। बीती नौ मई को उसके पास कॉल आई कि आप हमारे पास 25 हजार रुपये भेज दो। हम आपका पैसा शेयर मार्केट कंपनी में लगाकर प्रोफिट कर आपको लौटा देंगे, लेकिन अगले दिन उनका मैसेज आया कि आपका प्रोफिट पर जीएसटी लगेगी तो आप हमें 18 हजार रुपये और भेज दो। इसके बाद आपके पूरे पैसे खाते में डाल दिए जाएंगे व उसके बाद उन्होंने मेरे को 13 हजार रुपये और भेजने कहा। इस प्रकार उन्होंने कुल 56 हजार रुपये ले लिए और पेमेंट का झूठा स्क्रिन शॉट भेज दिया, लेकिन मेरे खाते में कोई पैसे नहीं आए। जयभगवान ने पुलिस से अज्ञात के खिलाफ कार्रवाई की मांग की हैं। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस नं. 5 लोन देने का झांसा देकर ठगे 41 हजार रुपये से अधिक

महेंद्रगढ़। मौहल्ला बांस निवासी रतनलाल ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि 27 दिसबंर 2023 को उसके पास लोन लेने के लिए कॉल आया, जिसने टाटा कैपटिल प्रधानमंत्री योजना के तहत लोन देने बारे कहा। कॉल करने वाले ने कहा कि आप अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि दस्तावेज मांगे, जिसने फोन पर कहा कि फाइल चार्ज के लिए करके 2500 रुपये ट्रांसफर कर दिए, जिसने बताया कि आपका एक लाख का लोन मंजूर हो जाएंगा। आप इस संबध में 11 हजार रुपये की किस्त भेज देना, ताकि हम ये देख ले कि आप किस्त भरने के लायक हो या नही, इसके बाद उसने मुझसे 8300, 13726, 6130 रुपये अपनी बातों में बहला फुसलाकर कुल मिलाकर 41656 रुपये डलवा लिए। इस संबंध में उसने 1930 पर कॉल कर दी थी। रतनलाल ने पुलिस से रुपये बरामद करने तथा शातिर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस 1

क्रेडिट कार्ड पर इंटरनेशनल कार्ड चार्ज का नाम लेकर 49 हजार की ठगी

नारनौल। कैलाशनगर वासी मंजीत सैनी ने महावीर पुलिस चौकी में शिकायत दी है। शिकायत में बताया है कि वह मारूति सुजूकी प्लेटिनियम मोटोकार्प में इलेक्ट्रिशयन पद पर कार्यरत है। उसने एयू स्माल फाइनेंस बैंक का क्रेडिट कार्ड बनवाया हुआ है। अप्रैल माह में 26 तारीख को 12:43 मिनट पर एक फ्रॉड हुआ। जिसमें एक कॉल आई और उन्होंने क्रेडिट कार्ड पर इंटरनेशनल कार्ड चार्ज का अमाउंट बताया और उसे बंद करने के लिए एक व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर उस एप को डाउन लोड करवाया। जो बिल्कुल एयू स्माल फाइनेंस बैंक की तरह लग रहा था। उस पर क्लिक किया तो वह एप लिंक लोडिंग कर रहा था और उनका फोन लिंक पर ही था। उसने पूछा यह ओपन नहीं हो रहा तो इंतजार करने के लिए कहा। थोड़ी देर बाद तक वह एप ओपन नहीं हुआ तो फोन काट दिया। फिर दोबारा कॉल किया और लिंक पर क्लिक के लिए बोला। क्लिक किया तो उस पर फिर लोडिंग हुआ और फोन पर क्रेडिट कार्ड से पैसे कटने का मैसेज आने लगे।

केस 2

बीमारी का बहाना बनाकर शातिर ने ठगे 50 हजार रुपये

महेंद्रगढ़। गांव सतनाली निवासी हरिसिंह ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि नौ मई को सुबह उसके पास किसी मनोज कुमार का फोन आया। उसने बताया कि वह आपका पड़ोसी है और विदेश में गया हुआ है। मनोज कुमार ने कहा कि उसका दोस्त हरजीत सिंह है। उसकी पत्नी बहुत सीरियस है, वह गंगा देवी अस्पताल दिल्ली में भर्ती है। वह उसके पास एक लाख 50 हजार रुपये भेज दो। वह उसकी बातों में आकर 50 हजार रुपये उसके बताए हुए अकाउंट में डाल दिए। उसने बताया कि हरजीत के मोबाइल नंबरों से फोन आया था। उसने हरजीत के नंबर भी उसके पास भेजे। पीड़ित ने धोखाधड़ी व फ्रॉड की शिकायत पुलिस में दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई है।

केस नं. 6 : रामपुरा के युवक को प्राप्त मैसेज में घर बैठकर काम करना पड़ा भारी

मंडी अटेली। पीड़ित रामपुरा निवासी योगेश कुमार ने बताया कि गत छह जून को व्हाट्सएप के जरिए घर पर बैठकर काम करने का मैसेज प्राप्त हुआ, जिस पर दो हजार रुपये लगाने को कहा और बोले की तीन हजार उसके खाते में आ जाएंगे और तीन हजार रुपये उसके खाते में आ भी गए थे। इसके बाद उसको पांच हजार रुपये डालने के लिए बोला गया। वह भी डाल दिए। उसके बाद खाते में 6900 सौ रुपये प्राप्त हुए। उसे विश्वास हो गया कि यह सबकुछ ठीक है परंतु आगे उन्होंने 20 हजार व तीन हजार रुपये डालने के लिए बोला गया, यह पैसे वापस नहीं आए। फिर इन पैसों को वापस डलवाने के लिए 30 हजार रुपये डलवाने के लिए बोला गया। गत नौ जून को अमेजॉन पे से उसने 30 हजार रुपये डाल दिए। उसके बाद भी उसको पैसे प्राप्त नहीं हुए। फिर उसको 90 हजार डालने के लिए बोला गया। तब उसे पता लगा कि उसके साथ साइबर फ्रॉड हुआ है। इसके बाद उसने 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवाई। अटेली पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

अवैध हथियार सहित दो युवकों को पकड़ा

नारनौल। सीआईए ने कार्रवाई करते हुए थाना सदर क्षेत्र से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर दो आरोपितों अनिल वासी मांदी व अभिमन्यु उर्फ हबली वासी मांदी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपितों से पुलिस ने एक अवैध देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए। आरोपितों के खिलाफ थाना सदर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपित अनिल हिस्ट्री शीटर है। आरोपितों के खिलाफ पहले भी काफी मामले दर्ज हैं। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए टीम गश्त के दौरान जल महल पर मौजूद थी, उसी समय टीम को गुप्त सूचना मिली कि अनिल कुमार वासी मांदी व अभिमन्यु उर्फ हबली वासी मांदी आदतन अपराधी हैं। जिनके पास अवैध हथियार है और किसी वारदात को अन्जाम देने की फिराक में गांव मांदी नेशनल हाईवे 148-बी के नजदीक अपने खेत में बने कोटड़े के पास बैठे हुए हैं। अगर तुरंत रेड की जाए तो आरोपित को अवैध हथियार सहित काबू किया जा सकता है। टीम ने रेड की गई, जहां पर दो नौजवान लड़के पुलिस की गाड़ी को देखकर तेज कदमों से चलने लगे। जिनको काबू करके नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम अनिल व दूसरे ने अभिमन्यु उर्फ हबली बताया। जिनकी तलाशी लेने पर अनिल के पास से एक देसी पिस्टल मिला, जिसकी मैगजीन को निकालकर चेक किया तो उसमें एक जिन्दा कारतूस मिला।

- आरोपितों के खिलाफ थाना सदर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया

सेहलंग हत्या मामला: आरोपित गिरफ्तार

- कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

उपमंडल के गांव सेहलंग में 19 मई की रात्रि एक व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट कर मौत के घाट सुलाने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित से हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड बरामद कर उसे एसडीजेएम कोर्ट कनीना में पेश किया। जहां उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस बारे में महेंद्र सिंह वासी सेहलंग ने सदर थाना में दर्ज करवाई गई शिकायत में बताया कि 19 मई की रात्रि समय करीब 10 बजे उसका छोटा भाई किरोड़ी प्लाट में सोने गया था। 20 मई को सुबह करीब सात बजे जितेंद्र उर्फ टुन्ना उनके घर आया और बताया कि उसका भाई किरोड़ी उसके कुएं पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। जिस पर महेंद्र व उसका लड़का अशोक मौके पर पहुंचे तो किरोड़ी घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। जहां पर घायल किरोड़ी ने उन्हें बताया कि रात्रि के समय उसे प्यास लगी, तो वह जितेंद्र के कुएं पर पानी पीने के लिए गया था। पानी के लिए जब उसने घडे.को छुआ तो जितेंद्र ने जातिसूचक गालियां देकर लोहे की रॉड से मारना-पीटना आरंभ कर दिया। महेंद्र सिंह ने घटना की जानकारी ग्राम सरपंच व एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस से घायल किरोड़ी को सीएचसी सेहलंग में दाखिल करवाया गया।

आरोपी को जेल नसीबपुर भेजा

उन्होंने कहा कि जितेंद्र द्वारा मारी गई चोटों के कारण उसके भाई की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित व्यक्ति के खिलाफ हत्या एवं एससी एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर विसरा लैब में भेजा था। जिसकी रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे जिला जेल नसीबपुर भेज दिया। कनीना सदर थाना इंचार्ज निरीक्षक रामनाथ ने बताया कि किरोड़ी की हत्या के आरोपित जितेंद्र उर्फ टुन्ना को सेहलंग से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां अदालत ने उसे 14 दिन के लिए जेल भेज दिया।

दौंगड़ा अहीर की बेटी डॉ. ईशु यादव का एचसीएस में चयन

- अपने शिक्षक माता-पिता की इकलौती बेटी है, दंपति ने बेटी को ही लड़के की तरह पालन पोषण कर किया बड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

ईशू अनुक्रमांक 1670 ने कुल 342 अंक हासिल किए

हरियाणा सिविल सर्विस (एचसीएस) के जारी परिणाम में अटेली विधानसभा के दौंगड़ा अहीर की बेटी डॉ. ईशु यादव पुत्री श्रीकृष्ण प्रिंसिपल का चयन हुआ है। उनके माता-पिता अध्यापक हैं। ईशू अनुक्रमांक 1670 ने कुल 342 अंक हासिल किए हैं। इनके पिता लंबे समय से अटेली खंड के गांव चंदपुरा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत रहे हैं तथा उनका परीक्षा परिणाम सदैव अव्वल रहा है। इस उपलब्धि पर गांव के लोगों में खुशी का माहौल है। डॉ. ईशु यादव ने देश के प्रतिष्ठित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद उनका एचसीएस में चयन हुआ है। इस अवसर पर बेटी के ताऊ रामानंद थानेदार, सुभाष प्रधान और भाई शक्ति ने बताया कि ईशु घर में सबसे छोटी है और पढ़ाई में कभी से होनहार रही है।

चौकी से 50 मीटर दूरी पर चेन स्नेचिंग वारदात महिलाओं के साथ 23 दिन में यह 7वीं घटना

सीसीटीवी कैमरा में कैद हुआ आरोपित।

नारनौल। शहर में चेन स्नेचिंग गिरोह सक्रिय है। 25 मई से अब तक शहर में छह चेन स्नेचिंग वारदात हो चुकी है। सभी वारदात में बदमाशों ने महिलाओं को ही निशाना बनाया है। अब जो रविवार को सुबह छठीं वारदात हुई है, वह महावीर पुलिस चौकी से महज 50 मीटर दूरी पर ही हुई। अब यह गिरोह पुलिस को ही चैलेंज देने लगा है। पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे है कि अब तक छह वारदात होने के बावजूद हाथ खाली है। इससे बदमाशों के हौंसले भी बढ़ रहे है। इस छठी वारदात के बारे में हुडा सेक्टर-वन में रहने वाली महिला उमा देवी ने शिकायत में बताया है कि रविवार सुबह करीब 6:20 बजे वह हुडा सेक्टर में घूम कर अपने मकान पर आ रही थी। जब वह संवेदना हॉस्पिटल के सामने पहुंची तो एक स्कूटी सामने से धीरे-धीरे चालक लेकर आ रहा था। वह जैसे ही सामने आया तो उसने गले से सोने की चैन झपटकर सुभाष पार्क की तरफ भाग गया। चैन झपटने से गर्दन पर भी रगड का निशान पड़ गया। इस चेन में लगा सोने का लॉकेट साड़ी में ही लिपट कर रह गया। पीड़िता ने मांग की है कि स्कूटी सवार चालक से सोने की चेन बरामद करवाकर उस पर कानूनी कार्रवाई की जाए।

कार्यक्रम अलर्ट : 'आपके बच्चे ने कांड कर दिया है, अब थाना में है, 50 हजार दो तो छोड़ देंगे' फर्जी पुलिस की ऐसी कॉल से बचें अभिभावक

इन दिनों साइबर शातिरों ने पैसा ठगने का नया तरीका निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

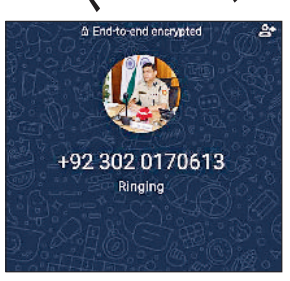

नारनौल। एक अभिभावक के पास इस व्हाट्सएप से आई कॉल।

'वह पुलिस थाना से बोल रहा है। आपका बच्चा पुलिस थाना में है। उसने कांड (एक्सीडेंट, मर्डर, रेप, चोरी जैसे अपराध) कर दिया है। अगर इस केस में बच्चे को सुरक्षित निकलवाना चाहते हो तो इतना पैसा इस नंबर पर ट्रांसफर कर दो।' जब इस तरह की कॉल किसी अभिभावक के पास आती है तो जाहिर है वह भावुक हो जाता है और जल्दबाजी कर बच्चे को बचाने की चाह में बिना इंक्वायरी करें पैसा ट्रांसफर कर देता है। इसी तरह की कॉल इन दिनों अभिभावकों के पास पहुंच रही है। कुछ अभिभावक पैसा गंवा चुके है, पर सामाजिक तौर पर खराबी ना हो यह सोचकर पुलिस तक शिकायत नहीं कर रहे। ऐसे में अगर भविष्य में आपके पास इस तरह की कॉल आए तो सजग रहे और ठगी से बचे। साइबर क्राइम से जुड़े यह शातिर लोग व्हाट्सएप कॉल करते है। जिस नंबर से कॉल आती है, उस पर किसी पुलिस कर्मी की तस्वीर लगी होती है और वर्दी में कंधे पर लगे कई स्टार देकर कॉल सुनने वाला डर जाता है। हाल ही में शिक्षा विभाग से जुड़े एक शिक्षक के पास कॉल आई। उसका बेटा यूपीएसई की तैयारी कर रहा था। बुजुर्ग पिता को कॉल करने वाले ने बताया कि आपको बेटा झगड़े में फंसा है। उसका नाम भी इस झगड़े में है। अगर निकलवाना चाहते है तो 40 हजार इस नंबर पर ट्रांसफर कर दें। अभिभावक सहम गया और बिना पूरी जांच पड़ताल किए पैसा ट्रांसफर कर दिया। बाद में बेटे के पास कॉल करके पूछा तो मामला फर्जी निकला। इसी तरह की एक कॉल अभिभावक के पास आई कि आपका बेटा जयपुर पढ़ रहा है। झगड़े में जो लोग शामिल थे, उन्होंने आपके बेटे का नाम भी बताया है। यह अभिभावक सजग था, उसने दूसरे नंबर से बेटे के पास कॉल की और पूछा कहा हो। बेटे ने कहा रूम में हूं और पढ़ रहा हूं। पूछा ऐसी कॉल आ रही है। बेटे ने कहा फर्जी कॉल है। फिर अभिभावक ने उस शातिर व्यक्ति को जमकर धमकाया। इसी तरह का तीसरा मामला भी सामने आया।

बच्चों को बचाने के चक्कर में अभिभावक गंवा रहे पैसा

इस संबंध में पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि शातिर अपराधी सोशल मीडिया से किसी भी पुलिस कर्मी की फोटो उठाकर व्हाट्सएप पर लगा देते है। फिर फर्जी पुलिस अधिकारी बन अभिभावकों से बच्चों के फंसने की भावुकता पूर्ण बात कर जाल में फंसाने की कोशिश करते है। ऐसे फर्जी कॉल से बचे और जांच पड़ताल के बाद पुलिस को शिकायत भी करें।

मैं बग़ावत चाहता हूं। हर उस फ़र्द (व्यक्ति) के खिलाफ बग़ावत चाहता हूं जो हमसे मेहनत कराता है, मगर उस के दाम अदा नहीं करता।

-सआदत हसन मंटो

आप बस इतना करें कि इस लॉकडाउन के बाद मुझे तलाक दिला दें।' इतना कह कृति ने फोन काट दिया और किचन की ओर मुड़ गई। उसके गले में हल्का दर्द था और सिर भारी हो रहा था. एक कप चाय बनाने के लिए जैसे ही उसने किचन के दरवाजे पर कदम रखा।
वैभव को अंदर देख कृति के सिर पर गुस्से का बादल जैसे फट पड़ा। पैर पटकते वापस बेडरूम में आकर लेट गई।

कहानी | दिव्या शर्मा

शक का संक्रमण

मैं नहीं रह सकती अब एक भी दिन इस घर में। मुझे बस तलाक चाहिए। कृति के मुँह से निकले झल्लाते शब्दों को सुन वकील ने मौन साध लिया। जवाब न सुन कृति के गुस्से में जैसे मिर्च छिड़क गई।

'आप बोल क्यों नहीं रहे वकील साहब! देखिए मुझे नहीं पता कि कोरोना की क्या गाइडलाइंस हैं। आपने कहा था कि एक महीना पूरा होते ही मेरी अर्जी पर कोर्ट फैसला दे देगा!' कृति के चेहरे पर परेशानी उभर आई।

'देखिए कृति जी। कोर्ट बंद हैं और अभी खुलने के आसार भी नहीं तो केस की सुनवाई तो अभी नहीं हो सकती और मैं जज नहीं जो डिसिजन देकर आपके तलाक को मंजूर कर दूँ।' वकील ने समझाते हुए कहा।

'पर मैं यहाँ से जाना चाहती हूँ। एक महीने के चक्कर में फंस गई हूँ मैं..मुझसे उस आदमी की शक्ल नहीं देखी जा रही जिसने मुझे धोखा दिया। मैं नहीं रह सकती वैभव के साथ।' कृति के शब्दों की झुंझलाहट और मन में छिपे दर्द को वकील ने साफ महसूस किया.दो पल को खामोशी इख्तियार कर वह फिर बोला,

'आप अपनी माँ के घर चली जाएं।'

'अरे नहीं जा सकती। इस इलाके को कोरोना जोन घोषित कर दिया है। यहाँ से निकली तो चालीस दिन के क्वारनटिन कर दी जाऊंगी।' कृति ने हांफते हुए कहा।

'तो बताओ मैं क्या कर सकता हूँ?' वकील ने कहा.

'आप बस इतना करें कि इस लॉकडाउन के बाद मुझे तलाक दिला दें।' इतना कह कृति ने फोन काट दिया और किचन की ओर मुड़ गई। उसके गले में हल्का दर्द था और सिर भारी हो रहा था. एक कप चाय बनाने के लिए जैसे ही उसने किचन के दरवाजे पर कदम रखा।

वैभव को अंदर देख कृति के सिर पर गुस्से का बादल जैसे फट पड़ा। पैर पटकते वापस बेडरूम में आकर लेट गई।

छत पर घूमते पंखे के साथ पिछली यादें घूमकर उसकी आँखों के सामने तैरने लगी।

दीया बाती के नाम से मशहूर वैभव और कृति अपने कॉलेज की सबसे हॉट जोड़ी थी।

दोनों के बीच की कैमिस्ट्री को देखकर न जाने कितने दिल जल कर खाक हुए जाते थे. कृति की अदाएं और वैभव की दीवानगी जैसे रोमियो जूलियट. कृति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए वैभव रोज नये ट्रिक्स करता। दोनों की दीवानगी कोई वक्ती न थी। अपने करियर के मुकाम पर पहुंच वैभव और कृति परिवार की रजामंदी से विवाह के बंधन में बंध गए।

सब कुछ बेहद खूबसूरत चल रहा था लेकिन वह एक शाम दोनों की जिन्दगी में बिजली बनकर कौंध गई। प्रेम की मजबूत दीवार पर शक के हथौड़े का वार गहरा पड़ा.वैभव ने लाख सफाई दी कि उसका मेघना के साथ सिर्फ मित्रता का संबंध है लेकिन शक की आग में चली कृति कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थी। पंद्रह दिन बाद दोनों की शादी को दो साल पूरे हो जायेंगे लेकिन कृति उससे पहले ही वैभव से तलाक चाहती थी। कोर्ट ने एक बार दोबारा विचार करने के लिए दोनों को कुछ समय साथ रहने का फैसला सुनाया था। वैभव के लाख प्रयासों के बाद भी कृति का मन नहीं बदला बल्कि वैभव की हर कोशिश उसे सफाई नजर आती। नफरत और गुस्से से वह वैभव को शब्दबाणों से घायल करती रहती। वैभव का सयंम अभी टूटा नहीं था इसलिए उसने अपने आस पास मौन ओढ़ लिया। केस की अगली सुनवाई तक दोनों को साथ ही रहना था इसलिए मजबूरन कृति वैभव को बर्दाश्त कर रही थी। समय चल रहा था लेकिन अचानक आए कॉरोना के वायरस ने जिन्दगी की रफ्तार को जैसे थाम दिया। लॉकडाउन लग चुका था। चारों ओर डर और अफरातफरी का माहौल था। कृति अपने मायके जाना चाहती थी लेकिन उनकी सोसायटी सील कर दी गई थी क्योंकि इस बिल्डिंग में कोरोना के पॉजिटिव केस लगातार बढ़ रहे थे। मन मारकर एक ही छत के नीचे रहती कृति अंदर अंदर घुल रही थी। कृति अपने ख्यालों में खोई कमरे में चहलकदमी कर रही थी कि एंबुलेंस की तेज आवाज़ से उसका ध्यान भटका। वह भागकर बॉलकनी की ओर भागी। सामने वाली बिल्डिंग के नीचे एंबुलेंस खड़ी थी। उसके आस पास पीपीई किट पहने चार लोग खड़े थे। कृति ने ध्यान दिया तो उसे सामने वाली बिल्डिंग के चार नंबर फ्लैट की बॉलकनी में सुधा आंटी रोती नजर आई । एंबुलेंस के अंदर एक बॉडी को डाला जा रहा था। थोड़ी देर में एंबुलेंस साइरन बजाते निकल गई। सुधा आंटी के रोने की आवाज़ अब साफ नजर आ रही थी।

एंबुलेंस में उनके एकलौते बेटे रजत को ले जाया गया था।

'रजत नहीं रहा।' बगल की बॉलकनी में मुँह लपेटे पारूल खड़ी थी। उसकी बात सुनकर कृति का दिल धक से रह गया।

₹क्या बोल रही हो पारूल! यार एक ही बेटा था आंटी का। कोई नहीं है उनके पास तो.कैसे बर्दाश्त करेंगी वे यह दुख!' कृति तड़प कर बोली।

'कॉरोना जाने कितनों को अपने साथ ले जायेगा. तुमने मॉस्क नहीं पहना और तुम बाहर खड़ी हो! इतनी लापरवाही ठीक नहीं कृति।' इतना कहकर पारूल अंदर चली गयी और दरवाजा बंद कर दिया।

घबराई कृति कमरे के अंदर आकर अपने चेहरे और हाथों को साबुन से रगड़ने लगती है। सुधा आंटी का विलाप चारों तरफ फैले सन्नाटे में डर पैदा कर रहा था। कृति अपने कमरे को सेनिटाइज कर बिस्तर पर लेट गई। सिर में दर्द और गले की खराश मन में भय की तरंगें बनाने लगी। नाक से बहता पानी मस्तिष्क को बार बार झिंझोड़ रहा था. लेकिन आंटी और रजत के बारे में सोचते सोचते उसे गहरी नींद आ गई।

कृति को कमरे से बाहर न निकलते देख वैभव को चिंता हो रही थी। कृति कभी इतनी देर नहीं सोती। रात के आठ बज रहे थे और कृति चार बजे से कमरे के अंदर थी। रजत के जाने का दुख वैभव को अंदर तक हिला गया उस पर कृति का कमरे में बंद होना वैभव के मन में हजार आशंकाओं को जन्म दे रहा था। घड़ी की सूंई बढ़ती जा रही थी। नौ बज चुके थे. अब वैभव उसके कमरे के दरवाजे के बाहर जाकर खड़ा हो गया।

कृति को अपना शरीर बिल्कुल निष्क्रिय लग रहा था वह उठ नहीं पा रही थी। कोरोना उसके शरीर को जकड़ चुका था, लेकिन वैभव उसके करीब खड़ा था। यह देख कृति वैभव को दूर जाने के लिए कहती है, 'तुम दूर रहो वैभव, मुझे कोरोना तुम भी बीमार हो जा।'इतना कहकर कृति खाँसने लगती है। उसे सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। तुम शांत रहो। मुझे कुछ नहीं होगा। मैंने मॉस्क और ग्लब्स पहने हैं ध्यान से देखो और तुम्हें बस वायरल बुखार है कोरोना नहीं. घबराओ नहीं. मैं चाय लाता हूँ।' इतना कहकर वैभव रसोई में चला गया. थोड़ी देर में चाय और स्टीमर उसके साथ था। कृति को चाय देके वैभव ने स्टीमर का प्लग लगाया और उसे गर्म करने लगा।

'कृति, तुम ठीक हो न! कृति...कृति!' दरवाजे को थपथपा कर वह बोला। लेकिन कृति की कोई आवाज़ नहीं आई। वैभव ने दरवाजे को हल्के से धकेला तो कृति को बिस्तर पर बेसुध पाया. वह उसके करीब जाकर उसके माथे को छुता है। माथा भट्टी की तरह तप रहा था।

'कृति...कृति...उठो..आँखें खोलो!' वैभव उसे झिंझोड़ कर बोला। कृति अपनी आँखें खोलने की कोशिश करती है लेकिन खोल नहीं पाती।

वैभव तुरंत अपना मॉस्क चेहरे पर लगाता है और ठंडे पानी का कटोरा लेकर उसके सिरहाने बैठ जाता है। ठंडे पानी की पट्टियां सिर पर रख उसकी हथेलियां रगड़ने लगता है। कृति को कुछ होश आया। आँखें खोली तो वैभव सामने था. कृति की आँखें लाल थी। वैभव उसे होश में देख तुरंत पैरासिटामोल ले आया और सहारा देकर दवा उसके मुँह में डाल दी।

कृति को अपना शरीर बिल्कुल निष्क्रिय लग रहा था वह उठ नहीं पा रही थी। कोरोना उसके शरीर को जकड़ चुका था, लेकिन वैभव उसके करीब खड़ा था। यह देख कृति वैभव को दूर जाने के लिए कहती है, 'तुम दूर रहो वैभव, मुझे कोरोना तुम भी बीमार हो जा।'इतना कहकर कृति खाँसने लगती है। उसे सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। तुम शांत रहो। मुझे कुछ नहीं होगा। मैंने मॉस्क और ग्लब्स पहने हैं ध्यान से देखो और तुम्हें बस वायरल बुखार है कोरोना नहीं. घबराओ नहीं. मैं चाय लाता हूँ।' इतना कहकर वैभव रसोई में चला गया. थोड़ी देर में चाय और स्टीमर उसके साथ था। कृति को चाय देके वैभव ने स्टीमर का प्लग लगाया और उसे गर्म करने लगा।

(शेष अगले अंक में)

गजल | चरणजीत चरण

तुमने अच्छा ही किया ली न ख़बर, वैसे भी
लौट के कोई न आया है इधर, वैसे भी

तुम गई हो तो पलटकर के सुकूँ आया है
दिल को रहता था बिछड़ जाने का डर, वैसे भी

हम कई रोज रहे साथ चलो अच्छा है
कितना चलता है मुहब्बत का सफ़र, वैसे भी

हाथ इकतारे पे रखते ही हुआ तार जुदा
मुझको आता ही नहीं था ये हुनर, वैसे भी

हमसफ़र बन न सके तुम तो कोई बात नहीं
थोड़ी मुश्किल थी मेरी राह-गुज़र वैसे भी

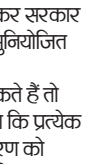

गजल | दिनेश शर्मा दिनेश

दुनिया में आते हैं और जाते हैं लोग
कब अपना किरदार निभा पाते हैं लोग

वह साथी है सबका उसका किससे बैर
अपनी ही करनी का फल पाते हैं लोग

सबकी अपनी ढपली सबका अपना राग
केवल अपने लाभ की बतियाते हैं लोग

हर कोई इक जैसा कैसे हो सकता है
इक चक्की का आटा कब खाते हैं लोग

ऐहतियात रखा कर ज़ेहन में तू खास
गिरगिट से ज्यादा रंग दिखलाते हैं लोग

लघुकथा | अशोक कुमार ढोरिया

दायित्व

₹ओह ! ये गर्मी।₹ ₹यार आज तो तापमान 54° है, जीना बेहाल कर रखा है।₹ ₹हाँ भाई, गर्मी ने पिछले 22 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।₹ ₹भाई एक बात बताओ, क्या सरकार का कोई कर्त्तव्य नहीं बनता कि पर्यावरण संरक्षण के बारे में कोई ठोस कदम उठाए।₹ पास ही बैठे बूढ़े दादा ने दोनों की बात सुनकर कहा - ₹बेटा, जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपना वोट डालकर सरकार बनाता है ताकि देश का शासन सुनियोजित ढंग से चल सके।
जब हम अपनी सरकार चुन सकते हैं तो क्या हमारा ये दायित्व नहीं बनता कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाकर जलवायु को जीने लायक बना सके ?

पर्यारण गीत | नरेश शांडिल्य

प्रबुद्ध करें हम

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम ।

जल न रहा तो कल क्या होगा?
उजड़ रहे जंगल ; क्या होगा?
साँसों का संबल क्या होगा?
इन प्रश्नों का हल क्या होगा?
जूझ स्वयं से युद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।

गुरुवाणी में सदियों पहले,
नानक जी ने भी फरमाया;
पवन पिता , धरती को माता,
पानी को गुरुरूप बताया;
क्यों फिर धर्म विरुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।

सदियों से पूजित हैं नदियाँ,
हिमगिरि उन्नत शिखर चोटियाँ,
हरा-भरा वसुधा का आँचल,
करें न इन सबका मन घायल,
कभी न इनको क्रुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम ।

निर्मल हो नदियों की कल-कल,
खिलें-बढ़ें गिरि-वन नित पल-पल,
हो स्वछंद खग-मृग की हलचल,
खिला रहे यूँ जीवन-शतदल,
पथ न सृष्टि का रुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।।

फिर 'दधीचि' हड्डियाँ गलाएँ,
पुनः 'भगीरथ' भू पर आएँ,
फिर 'अगस्त्य' संकल्प उठाएँ,
'अँगुलिमाल-मन' को समझाएँ,
मानव-मन को बुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।।

लघुकथा | अम्बिका कुमारी कुशवाहा

आपसी समझ

हाँ.. मैं आलसी हूँ.. बहुत आलसी। और कुछ कहना चाहती हो? इतना कहकर अनिमेष कमरे से बाहर निकल गया। श्वेता की मजाक में कही गई बात और अचानक अनिमेष का इस तरह का व्यवहार देख, श्वेता सोच में पर गई।
श्वेता और अनिमेष ने प्रेम विवाह किया था। दोनों कॉलेज में साथ पढ़े थे और श्वेता जानती थी अनिमेष एक शांत स्वभाव का संकोची लड़का है जो बिना कुछ पूछे अपनी बात भी नही कहता।
अनिमेष के पीछे श्वेता भी तेजी से बाहर निकली। अनिमेष बालकनी पर खड़े हो सड़क की ओर देख रहा था।
श्वेता ने उसके कंधे पर हाथ रख पूछा- क्या हुआ अनिमेष? कोई बात है क्या?
अनिमेष- नहीं श्वेता , कुछ नही.. बस ऐसे ही थोड़ा गुस्सा आ गया। सॉरी।
श्वेता- अनि.. हमने प्रेम विवाह किया है। मैं तुम्हारी जीवनसंगिनी और अच्छी दोस्त भी हूँ। तुम्हारा इस तरह मुझसे किसी बात को न कहना अच्छा नही लगता।
अनिमेष- (श्वेता की ओर देखते हुए) सॉरी श्वेता.. मुझे माफ कर दो, इस बार भी हम गर्मियों में शिमला नही जा सकते। बॉस ने छुट्टी देने से साफ मना कर दिया है। साथ पिछले सप्ताह अस्वस्थ रहने के कारण जो अवकाश लिया था, सैलरी से पैसे काट लिए बॉस ने। और अगले सोमवार से ओवरटाइम की ड्यूटी भी है।
श्वेता- उफ्फ.. ये बेरहम बॉस। बस इतनी सी बात और इतना बड़ा टेंशन लिए हो? अनि.. कोई बात नही, हम इस बार कहीं नही जाएंगे। अगली बार चलेंगे शिमला।
और हाँ तुम इतना क्यों सोचते हो? मैं तुम्हारी साथी हूँ, मैं भी जॉब करती हूँ, आर्थिक जिम्मेदारी मेरी भी हैं।
अनिमेष (मुस्कुराते हुए)- बुरा लगता है ना.. शादी के इतने दिन बाद भी तुम्हारे शिमला घूमने की इच्छा पूरा नही कर पा रहा।
श्वेता- मुझे भी कहाँ छुट्टी मिल पाती है। साथ घूमने की इच्छा तो तुम्हारी भी हैं। ये प्राइवेट जॉब भी न..
अनिमेष- मुझे तो आज संडे को सुबह सुबह तुमसे लड़ना था, पर तो उलझती ही कहाँ हो बातों में।(दोनो हँसते हैं)
श्वेता(घूरते हुए)- अच्छा जी! अगले साल छुट्टी पर हम सबसे पहले अपने घर चलेंगे। उसके बाद ही कही जाएंगे।
अनिमेष- जैसी आपकी आज्ञा देवी। 'रिश्तों की बुनियाद आपसी समझ, सम्मान, सहयोग और विश्वास पर केंद्रित होती है।'

साहित्य समाज को जोड़ने का काम करता है, इसलिए संस्कार के लिए खासतौर से युवाओं को साहित्य के प्रति जागृत करना आवश्यक है। यह जिम्मेदारी लेखकों और साहित्यकारों की भी है कि वे अच्छे साहित्य सृजन करके सामाजिक निर्माण में योगदान दें।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

समाज को दिशा देने में साहित्य की अहम भूमिका: मधु वशिष्ठ

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में समाज को नई दिशा देते हरियाणा के लेखकों, साहित्यकारों, कवियों और रचनाकारों में महिलाओं की भी अहम भूमिका रही है। ऐसी ही महिला साहित्यकारों में शुमार मधु वशिष्ठ भी साहित्य की विभिन्न विधाओं के जरिए सामाजिक सरोकार के फोकस में सकारात्मक विचारधाराओं से समाज को नई दिशा देने में जुटी हुई हैं। दिल्ली सरकार से सेवानिवृत्त अधिकारी के पद से सेवानिवृत्ति के बाद स्वतंत्र लेखन से रचना संसार को आगे बढ़ाते हुए साहित्य सृजन में जुटी मधु वशिष्ठ कई प्लेटफार्मों से भी अपने लेखन को सुगम और सरल बना रही हैं। अपने मनोभावों को कहानी या कविता के रूप में साहित्य को समर्पित लेखिका, रचनाकार, कवियित्रि और कहानीकार मधु वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में अपने साहित्यिक सफर के बारे में विस्तृत उल्लेख करते हुए कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज को सकारात्मक रूप से जागृत करने की दिशा में साहित्य की अहम भूमिका हो सकती है।

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में लोकप्रिय महिला रचनाकार मधु वशिष्ठ का जन्म 10 सितंबर 1959 को दिल्ली में सोमदत्त शर्मा और तारा रानी शर्मा के घर में हुआ। उनके पिता नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में अधिकारी थे, इसलि मधु का बचपन दिल्ली के सरकारी मकान में ही बीता है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली गोल मार्केट के नगर पालिका के स्कूल में हुई। उनका परिवार नगर पालिका के पुस्तकालय के नजदीक ही रहता था और परिवार के सदस्य उसके सदस्य भी थे, तो साहित्य के प्रति रुझान स्वतः ही होना तय था। वहीं दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी और रामकृष्ण मिशन की भी लाइब्रेरी भी उनके घर के पास ही थी, जहां परिवार के सभी लोग पुस्तकों को पढ़ते थे। बकौल मधु वशिष्ठ उस जमाने में प्रकाशित होने वाली चंपक, नंदन और बहुत सी कॉमिक्स जैसी पुस्तकें पढ़ने का शौक बढ़ने के साथ लेखन के प्रति भी रुचि जागृत होने लगी थी। उनकी लिखी हुई पहली कविता और कहानी 70 के दशक में कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित हुई तो लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना भी स्वाभाविक ही था। उस जमाने में साहित्यिक सफर इतना आसान नहीं था कि वे अपनी कहानी या कोई भी रचना को प्रकाशित कराने के लिए दिल्ली प्रेस या धर्मयुग मैगजीन के लिए उनका पता ढूंढना पड़ता था और फिर लिफाफे में डालकर अपनी रचनाओं को वहां भेजना होता था, तो अधिकतर डाक वापस आ जाती थी यानी रचनाएं प्रकाशित होने की संभावनाएं भी नगण्य ही थी, लेकिन उनकी एक कविता को एक हिंदी मैगजीन में प्रकाशित हुई। मधु वशिष्ठ ने बताया कि साल 1974 से 77 के बीच भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी थीं, लेकिन विवाहोपरांत और 80 के दशक के बाद उनकी व्यस्तताएं बहुत बढ़ गईं, जिसका कारण साल 1982 में उनकी दिल्ली सरकार में नौकरी लग गई, जहां से 2018 में सेक्शन ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हुई हैं। मधु वशिष्ठ साधना कहानियां यादों की उनका अपना एक यूट्यूब चैनल भी है। मधु वशिष्ठ की नजर में इस आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी तो नहीं है, क्योंकि अधिकतर लोग सोशल साइट में उलझे हुए हैं और लेखन से ज्यादा दृश्य उन्हें आकर्षित कर रहे हैं, इसलिए साहित्य के पाठकों में रुझान कम देखने को मिल रहा है। जहां तक युवा पीढ़ी की साहित्य में रुचि का सवाल है उनके ऊपर पाठ्यक्रम का बोझ ज्यादा है और जानकारी के लिए उनके पास इंटरनेट का सरल विकल्प भी है। वे कल्पना की बजाए अपनी पढ़ाई पर या मोबाइल में किसी भी विषय पर जानकारियां लेना ज्यादा पसंद करते हैं। हालात यहां तक पहुंच गये कि 1913 में रविंद्र नाथ ठाकुर को उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था, लेकिन उसके बाद कोई भी कृति ऐसी नहीं हुई, जो की साहित्यिक पुरस्कार के योग्य समझी जा सके।

प्रकाशित पुस्तकें

मधु वशिष्ठ की विभिन्न विधाओं में अभी तक छह एकल पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। इनमें कहानियां यादों की, कहानी संग्रह कथा कुंज, कविता संग्रह जीवन और मन तथा भक्ति सागर प्रमुख रुप से शामिल हैं। इनके अलावा उनकी कविताओं के संकलन के रुप में अनुभव नामक पुस्तक भी उनकी उपलब्धियों में शामिल है। रचनाकार मधु की 80 से अधिक साझा संकलनों में रचनाएं प्रकाशित हो चुकी है। इसके अलावा राष्ट्रीय पत्र व पत्रिकाओं में उनके लेख, कहानियां औरकविताएं भी प्रकाशित होती आ रही हैं।

मधु वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

कवयित्री को विभिन्न विधाओं में सैकड़ों पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। इसमें प्रतिलिपि में उन्हें गोल्ड बैज के साथ प्रमाणपत्र का सम्मान भी मिला है। धारावाहिक लेखन में उन्हें फेलोशिप का सम्मान भी मिला है। स्टोरी मिरर में लिटरेरी जनरल की उपाधि से सम्मानित मधु वशिष्ठ ऑथर ऑफ द ईयर अवार्ड से भी सम्मानित है। इसके अलावा उन्हें काव्य विभूति सम्मान, काव्यश्री सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, शांतिप्रिय व्यक्तित्व सम्मान, श्रेष्ठ कहानीकार सम्मान मिल चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नामः मधु वशिष्ठ
जन्मतिथिः 10 सितंबर 1959
जन्म स्थानः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
शिक्षाः बीए, बीएड (मिरांडा हाउस दिल्ली)
सम्प्रतिः सेवानिवृत्त अधिकारी, स्वतंत्र लेखन
संपर्कः 19/8, फरीदाबाद (हरियाणा)

चिंता और चिंतन को प्रतिबिंबित करते दोहे

पुस्तक : उगें हरे संवाद (दोहा संग्रह)
कवि : योगेन्द्र वर्मा 'व्योम'
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : गुंजन प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | डॉ. रामनिवास 'मानव'

दोहा हिंदी का प्राचीन और परंपरागत लघु छंद है, जिसने हर काल में अपनी सार्थकता सिद्ध की है। भक्तिकाल में यह रामबाण बनकर चला, तो रीतिकाल में इसने कामबाण बनकर लक्ष्य-संधान किया। वर्तमान काल में भी दोहे की प्रासंगिकता बनी हुई है, किंतु आज का दोहा तुलसी-रहीम-बिहारी के दोहों का सगोत्रीय छंद नहीं है। इसकी गर्भनाल कबीर के बेबाक दोहों से जुड़ी है। इसकी मारक क्षमता भक्ति-रीति कालीन दोहों से कहीं अधिक और गहरी है तथा यह अग्निबाण बनकर असंगतियों, विसंगतियों और विकृतियों के ढेर में पलीता लगाने का काम कर रहा है। यही कारण है कि आज अनेक समर्थ कवि दोहा-लेखन में सक्रिय हैं।

ऐसे कवियों में गीत-नवगीत के श्रेष्ठ हस्ताक्षर योगेन्द्र वर्मा 'व्योम' का नाम भी सम्मिलित है, जो दोहा छंद को धार देने का सफल-सार्थक प्रयास अपनी लेखनी द्वारा कर रहे हैं। 'परिवार के उजले भविष्य- पुत्र और पुत्रियों को समर्पित', 332 दोहों के अपने प्रथम दोहा-संग्रह 'उगें हरे संवाद' में वह बढ़ती संवेदनहीनता, टूटते रिश्तों और बिखरते परिवारों की त्रासद स्थिति पर तो चिंतित दिखाई पड़ते ही हैं, पारस्परिक संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में अंतर्निहित आत्मीयता की ऊष्मा पर भी उनका पूरा जोर है। उनके दोहे देखिए- स्वस्थ भला कैसे रहे, अपनापन-सम्मान ।
भीतर हों जब तलख़ियाँ, चेहरों पर मुस्कान।।
गूगल युग ने क्या किया, छीन लिए एहसास।
छिटक रही संवेदना, चटक रहे विश्वास।।

किंतु जैसे-जैसे हम उनके दोहों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं, समकालीन जीवन-यथार्थ के अन्य विद्रूप आयाम भी उद्‌घाटित होते जाते हैं। इन दोहों में कवि की चिंता और चिंतन, दोनों तो साथ-साथ चलते ही हैं, भावों की भंगिमा तथा भाषा की लाक्षणिकता इन्हें और भी मारक तथा महत्त्वपूर्ण बना देती है। संग्रह के अनेक दोहों की कलात्मकता भी देखते ही बनती है-
शहरों के हर स्वप्न पर, कैसे करें यक़ीन।
उम्मीदों के गाँव हैं, जब तक सुविधाहीन।।
घुल-मिलकर व्यक्तित्व में, बिखरे मधुर सुगंध।
पढ़कर तो देखो कभी, सच के ललित निबंध।।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि 'उगें हरे संवाद' संग्रह दोहा-परंपरा में भाव और भाषा-शिल्प की दृष्टि से काफी-कुछ नया जोड़ता है। संग्रह के दोहे पाठकों को पसंद आयेंगे, यही विश्वास है।

खबर संक्षेप

गाड़ी चालक का रास्ता रोककर मारपीट

धारूहेड़ा। करण वाटिका के पास एक गाड़ी चालक का रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यूपी के मोहम्मदपुर राई निवासी गाड़ी चालक धर्मेंद्र ने बताया कि उसका खुशखेड़ा में धर्मेंद्र नाम के युवक के साथ विवाद हो गया था। इसके बाद वह गाड़ी लेकर मुजफ्फरनगर के लिए चला था। करण वाटिका के पास एक कार और बाइक से आए कुछ लोगों ने उसकी गाड़ी रुकवाकर मारपीट की। शोर मचाने पर आरोपी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

किसान के खेत से फव्वारा नोजल चोर

धारूहेड़ा। मालाहेड़ा में रात के समय चोर एक किसान के खेत से फव्वारा नोजल कर ले गए। पुलिस शिकायत में हरिओम ने बताया कि उसने कपास की खेती की हुई है। फसल को पानी लगाने के लिए उसने अपने खेत में फव्वरा सैट लगाया हुआ है। रात के समय चोर खेत से 9 फव्वारा नोजल चोरी कर ले गए। सुबह जब वह खेत में गया तो उसे नोजल गायब मिले। काफी तलाश के बाद भी चोरों का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

रास्ता रोककर मारपीट के आरोप में दो काबू

खोल। थाना खोल पुलिस ने नांध गांव में रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी बाप-बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घायल के बयान पर गत 26 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने आनंदपाल व उसके बेटे प्रवीण को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस ने दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

रसगण गांव से बिजली ट्रांसफार्मर चोरी

धारूहेड़ा। रसगण गांव से चोर एक बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में बिजली निगम के एसडीओ ने बताया कि गांव के किसान दीपक कुमार ने फोन पर सूचना दी कि एक 63 केवीए क्षमता का बिजली ट्रांसफार्मर चोरी हो गया है। इससे कई किसानों की बिजली बाधित हो गई। बिजली निगम को ट्रांसफार्मर चोरी होने से लगभग 1.10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। इससे पूर्व भी इस क्षेत्र में ट्रांसफार्मर चोरी हो चुके हैं। पुलिस ने बिजली एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

सूमाखेड़ा में घर से लापता हुआ व्यक्ति

जाटूसाना। सूमाखेड़ा से एक व्यक्ति अचानक घर लापता हो गया। पुलिस शिकायत में महेश यादव ने बताया कि उसका पिता 52 वर्षीय चंद्रभान 12 जून को अचानक घर से कहीं चला गया। उसके बाद जब फोन पर संपर्क किया गया तो उसके पिता का मोबाइल लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। रिश्तेदारियों और दूसरे स्थानों पर तलाश करने के बाद भी उसके पिता का कोई पता नहीं चल सका है। जाटूसाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद लापता व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी।

बाइकों की भिड़ंत में दोनों के चालक घायल

जाटूसाना। फतेहपुरी के निकट दो बाइकों की भिड़ंत में दोनों के चालक घायल हो गया। कंवाली निवासी मनमोहन दड़ौली में एक कुआं पूजन समारोह में भाग लेने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। फतेहपुरी के निकट सामने से आ रही एक बाइक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में वह बाइक से गिरकर घायल हो गया। दूसरा बाइक चालक भी गिरकर घायल हो गया।

घर के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

डहीना। कंवाली गांव से चोर रात को एक मकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में सुभाष ने बताया कि उसने अपनी बाइक रात को घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर घर से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली।

राजस्थान के प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने सभी आगंतुकों का अभिनंदन किया

दिवंगत ठेकेदार लेखराम का जीवन समाज के लिए हैं प्रेरणा स्रोत : राव दान सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। काठूवास गांव में ठेकेदार लेखराम की 15वीं पुण्य तिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल-रेवाड़ी मार्ग पर स्थित काठूवास गांव में ठेकेदार लेखराम की 15वीं पुण्य तिथि पर सोमवार को श्रद्धांजलि सभा कर स्मृति सभा का आयोजन किया गया। स्मृति सभा में दिवंगत ठेकेदार लेखराम के जेयष्ठ पुत्र व राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के कांग्रेसी नेता टीकाराम जूली व उनके भाई मुकेश जूली के संयोजन में हुई सभा में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा से प्रत्याशी रहे व महेंद्रगढ़ के विधायक राव दान सिंह, पूर्व सीपीएस अनीता यादव, मुंडावर के विधायक ललित यादव, पूर्व स्वास्थ्य राज्यमंत्री डा. मुन्नीलाल रंगा, सुरेंद्र पटवा, उद्योगपति व समाजसेवी अशोक सोमाणी, बहरोड़ से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे संजय सिंह, रिटायर्ड आईएएस विनय सिंह, पूर्व विधायक बलजीत यादव, इमारान खान, विजय पाल बैरियर, मास्टर जयपाल, कृष्ण राव व कमलेश सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग विशेष रूप से उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर राव दान सिंह ने कहा कि दिवंगत ठेकेदार लेखराम का जीवन समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। एक दलित व निर्धन परिवार में जन्म लेकर अपनी मेहनत, इमानदारी के बल पर सफल कारोबारी बनने के साथ राजनीति में कदम रखकर समाज सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर राजस्थान व हरियाणा में अपना विशेष स्थान बनाया। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए उनके बड़े पुत्र टीकाराम जूली राजस्थान में अलवर के जिला प्रमुख बनने के साथ विधायक, मंत्री बनकर अपनी सादगी के चलते देश में अपना नाम कमा रहे हैं। वर्तमान समय में राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में सदन में अपनी विशेष भूमिका निभा रहे हैं। उनके छोटे पुत्र भी एक सफल व्यापारी के रूप में राष्ट्र उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर दिवंगत लेखराम के पुत्र व राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि उसके पिता सदैव कहते थे कि व्यक्ति कितना भी बड़ा बन जाए, उसे अपनी जड़े नहीं भूलनी चाहिए। व्यक्ति को अहंकार भी कभी अपने अंदर प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। मजदूर की मजदूरी उसका पसीना सूखने से पहले मिल जानी चाहिए। इस मौके पर पूर्व उप जिला प्रमुख सुनीता वर्मा, मनेठी के सरपंच देशराज, काठूवास की सरपंच ज्योति, कैप्टन अमर सिंह, फूल सिंह, सरपंच जयसिंह, साधूसिंह व सरपंच अर्जुन सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गौर हो कि दिवंगत ठेकेदार लेखराम ने सर्वप्रथम कुंड में स्लेट पत्थर की चौखट बनाने का कार्य 50 पैसे प्रतिदिन की दिहाड़ी में मजदूरी शुरू की थी। चौखट के लिए प्रतिदिन अपने गांव काठूवास से 5 किलोमीटर दूर कुंड पैदल जाकर रेलवे लाइन से बिखरे हुए कोयलों को एकत्रित कर व उनको बेचकर रोटी का इंतजाम करते थे। भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की तथा अनेक देश के लिए लड़ाई लड़ी। इसके अलावा वे गांव के सरपंच के अलावा ब्लॉक समिति के चेयरमैन भी रहे। मेघवाल विकास समिति के जिला प्रधान भी रहे। उनका जीवन डॉउन टू अर्थ रहा, लेकिन कभी भी अंहकार नहीं किया। उनका जन्म एक जुलाई 1938 में हुआ तथा देहांत 16 जून 2009 में हुआ।

नारनौल। बैठक करते संगठन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

अगस्त में होंगे कुम्हार सभा की कार्यकारिणी के चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- सभा की कार्यकारिणी की बैठक प्रधान जोगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सुभाष पार्क में आयोजित की गई

कुम्हार (प्रजापति) सभा की कार्यकारिणी की बैठक प्रधान जोगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सुभाष पार्क में आयोजित की गई। जिसमें प्रधान ने बताया कि सभा का कार्यकाल 14 अगस्त 2024 को समाप्त होने जा रहा हैं और सभा के संविधान के मुताबिक चुनाव समय पर करवाए जाने हैं। इस पर आम सहमति से विचार-विमर्श करने उपरांत चुनाव अगस्त के पहले सप्ताह में करवाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यकारिणी के चुनाव जिला उद्योग केंद्र के सेवानिवृत्त सादुराम व प्रवक्ता मनोज कुमार को बतौर चुनाव अधिकारी नियुक्त करके इनकी देखरेख में चुनाव करवाए जाएं और इसके लिए आगामी आमसभा की बैठक 30 जून बुलाकर सभा के लेखा-जोखा का अनुमोदन करने उपरांत चुनाव की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस मौके पर पूर्व सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी प्रहलाद, चेयरमैन ईश्वर सिंह, सचिव इंद्रजीत सिंह, मुख्य संरक्षक एवं पूर्व प्रधान किशनलाल लुहानिवाल, एडवोकेट सुरेंद्र, रतिराम गुवानी, यादराम मोरूड, पूर्व इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद, युवा प्रधान उमेद सिंह आदि मौजूद थे।

कबीर का पूरा जीवन समाज कल्याण और समाज हित में रहा: ओमप्रकाश यादव

- आंबेडकर भवन सेका मार्ग पटीकरा में कबीर दास की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। पटीकरा में संत कबीर जयंती पर पुष्प अर्पित करते पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव। फोटो : हरिभूमि

स्लम जागृति समिति की ओर से डा. आंबेडकर भवन सेका मार्ग पटीकरा में परम संत कबीर दास की 627 जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव थे। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मंत्री ने कबीर दास व डा. भीमराव आंबेडकर के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम का आयोजन भागीरथ खनगवाल ने किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि संत कबीर दास भक्ति काल के एकमात्र ऐसे कवि थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार के कायार्ें में लगा दिया था। कबीर कर्म प्रधान कवि थे, इसका उल्लेख उनकी रचनाओं में देखने को मिलता है। कबीर का पूरा जीवन समाज कल्याण एवं समाज हित में रहा। ओमप्रकाश यादव ने कहा कि कबीर का जन्म सन 1398 ई में काशी के समक्ष हुआ था। कबीर दास को जन्म देने वाली व पालने वाली माताएं अलग-अलग थी। कबीर निरक्षर थे उन्हें शास्त्रों का ज्ञान अपने गुरु से प्राप्त हुआ था। पूर्व मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का जोर सर्वधर्म समभाव व सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने पर है।

इसी को लेकर राज्य सरकार की ओर से सभी महापुरुषों की जयंती कार्यक्रम राज्य स्तर पर मनाए जा रहे है। इस मौके पर सतीश उर्फ बबली सिहार, धर्मपाल चौधरी, मुंशीराम, प्रवीण चेयरमैन, ईश्वर सिंह, शिवकुमार महत्ता, बाबूलाल खानपुरिया, मंगल सिंह रहीश, राजू आदि मौजूद थे।

माता भूरा भवानी मंदिर में हवन यज्ञ और भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ धाम की महंत शक्तिनाथ महाराज गांव सिसोठ एवं क्षेत्र के जन कल्याण के लिए किया गया 21 दिवसीय 21 धूनी तपस्या का रविवार को सुबह हवन यज्ञ पूर्ण आहुति के साथ समापन हुआ।

इससे पूर्व शनिवार रात्रि में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और अमेरिका से आए साधु-संतो ने भजन कीर्तन करें और अपने प्रवचन दिए। इस दौरान रविवार को ग्रामीणों के सहयोग से माता भूरा भवानी मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को दाल बाटी चूरमा का भोजन करवाया गया।

सरपंच विरेंद्र कुमार उर्फ विक्की, मंदिर कमेटी सदस्य मुकेश चौहान, संदीप यादव व रजनीश ने बताया कि महंत शक्तिनाथ ने 21 धूनी तप जनकल्याण की भलाई और क्षेत्र की उन्नति के लिए 27 मई से 16जून तक किया, जिसका आज महंत शक्तिनाथ व दूर दराज से आए साधु-संतों, श्रद्धालुओं व ग्रामीणों ने पूर्ण यज्ञ आहुति देने के साथ ही समापन हो गया। संत प्रवचन के लिए मां भूरा भवानी मंदिर सिसोठ धाम में महंत बचनाई नाथ, महंत शोभा नाथ, हेमराज नाथ, आरती देवा, महंत राजेश्वरी, साध्वी लता, साध्वी दया, महंत रामेश्वर दास त्यागी, प्रो. डॉ. रामदास लैम्ब अमेरिका, आदित्य दास, रमेश देवा, लाडली दास, प्रभाती नाथ बलाना वाले सहित क्षेत्र के अनेक संत महात्मा पहुंचे उन सभी का मंदिर कमेटी व ग्रामीणों के साथ महंत शक्तिनाथ महाराज ने मान सम्मान किया।

महेंद्रगढ़। मंदिर परिसर में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जयश्रीराम चेरिटेबल ट्रस्ट रातां ने लगाई छबील

मंडी अटेली। कनीना रोड पर राहगीरों को मीठा जल पिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव रातां में सामाजिक संगठन जयश्रीराम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अटेली-कनीना रोड पर राहगीरों के लिए गर्मी से राहत पाने के लिए मीठे पानी की छबील लगा कर सेवा की गई। इस कार्य में संगठन के युवाओं ने बढ़-चढ़कर कर अनुशासित तरीके से लोगो को पानी पिलाया। संगठन द्वारा वेस्ट डिस्पोजल ग्लास को एक बैग मे इक्ट्ठा कर भूमि प्रदूषण होने और पर्यावरण दूषित होने से बचाया। पर्यावरण संरक्षण की इस तरह की अच्छी पहल ने आने जाने वाले राहगीरों का मन मोह लिया और पानी के साथ-साथ लोगों ने सफाई के लिए पूरे संगठन की प्रशंसा की। रविवार को ही संगठन द्वारा गांव के भगवान माता मंदिर के ग्राउण्ड में लगाए गए पौधों मे टैंकर द्वारा दूसरी बार पानी डाला गया। संगठन ने समस्त समाज से पेड़ बचाने, जल बचाने व पर्यावरण बचाने की अपील की गई।

सिहमा में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 82 लोगों ने करवाई जांच

- सरपंच सुमन देवी ने कहा कि महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक करना इस शिविर का मुख्य मकसद था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। सिहमा में नि:शुल्क कैंप में स्वास्थ्य की जांच करवाते हुए।

सिहमा के बाबा खेतानाथ मंदिर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें 82 लोगों की नि:शुल्क जांच की गई। इस मौके पर डॉ. शहजाद, डॉ. हिना पाटिल, डॉ. अकांक्षा, डॉ. मनोज व डॉ. सोहनपाल ने शिविर में आए सभी मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर नि:शुल्क दवाईयां दी। इस कैंप में मस्तिष्क रोग, मूत्र रोग, आंख रोग, हड्डी रोग, नाक कान गला रोग, बीपी शुगर के अलावा के विभिन्न प्रकार बीमारियों की जांच की गई। सिहमा की सरपंच सुमन देवी ने कहा कि महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक करना इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य मकसद था। इस स्वास्थ्य शिविर में शिविर में बाबा खेतानाथ जनसेवा फाउंडेशन का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव, ईश्वर सिंह पंच, तेजपाल पंच, संदीप यादव, सत्यप्रकाश, विक्रम सिंह, प्रवीण, मोनिका, नेहा व सुरेंद्र इत्यादि मौजूद रहे।

मदनलाल बने जांगिड़ सभा कनीना के खंड प्रधान

- बैठक की अध्यक्षता कप्तान सूरजभान सिहोर ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण सभा की बैठक रविवार को विश्वकर्मा धर्मशाला कनीना मंडी में आयोजित की गई। इस जिला स्तरीय बैठक की अध्यक्षता सभा के संरक्षक कप्तान सूरजभान सिहोर ने की। बैठक में सभा के प्रबंधक विजयपाल ने पिछले तीन वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कनीना के खंड प्रधान प्रधान ओमप्रकाश आर्य ने छह वर्ष के कार्यकाल के बाद अपने पद से त्यागपत्र दिया। जिस पर उनके स्थान पर मदनलाल कोटिया को कनीना खंड का प्रधान नियुक्त किया गया। बैठक में उपस्थित जिला प्रधान अशोक पैकन, मीडिया प्रभारी सीताराम ने उनका स्वागत किया। बैठक में समाज उत्थान के कायार्ें पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर सोमदत्त, वीरेंद्र सिंह, पदमेंद्र जांगिड़, हंसराज, राकेश सीहोर, सूबेसिंह, अशोक कुमार, महावीर ठेकेदार, सुरेंद्रपाल, मुकेश कुमार, सुक्रमपाल, शांतिलाल आदि मौजूद थे।

कनीना। नवनियुक्त खंड प्रधान का स्वागत करते सभासद। फोटो : हरिभूमि

रिहायशी क्षेत्रों के ऊपर से गुजरने वाली बिजली लाइनें भी हटाने का कार्य शुरू

नांगल चौधरी हलके की बीपीएल कॉलोनियां घरेलू बिजली लाइन से जोड़ी जाएगी: अभय

- नांगल चौधरी के विधायक डा अभय सिंह यादव यह मामला हरियाणा विस में उठाते रहे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दक्षिण हरियाणा विद्युत निगम ने नांगल चौधरी हलके की 19 बीपीएल कॉलोनियों को घरेलू बिजली सप्लाई से जोड़ने का निर्णय लिया है। वर्तमान सिंचाई राज्यमंत्री एवं नांगल चौधरी के विधायक डा अभय सिंह यादव यह मामला हरियाणा विधानसभा में उठाते रहे हैं। डा. यादव ने इसकी विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नांगल चौधरी हलके की अधिकांश बीपीएल कॉलोनियां घरेलू सप्लाई से जुड़ी हुई नहीं है। जिसके परिणाम स्वरूप वहां रहने वाले लोगों को विशेषकर गर्मी के मौसम में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने यह मामला न केवल विधानसभा में उठाया अपितु एक से अधिक बार विद्युत निगम के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव से भी व्यक्तिगत रूप से मिलकर इस विषय में चर्चा की गई। तदोपरांत सरकार के स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि इन सभी कॉलोनियों को घरेलू सप्लाई से जोड़ा जाए। इन 19 कॉलोनियों के अतिरिक्त और भी यदि कोई कॉलोनी बची हुई पाई गई तो उनको भी घरेलू बिजली से जोड़ा जाएगा। डा. यादव ने कहा कि उनका लक्ष्य सभी कॉलोनियों को सड़क, बिजली और पानी तीनों मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने का है, जो अतिशीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली निगम से संबंधित दो मामलों का विशेष रूप से उन्होंने विधानसभा में उल्लेख किया था। पहले मामले पर तो कार्रवाई शुरू हो गई है दूसरा मामला घरों के ऊपर से गुजरने वाले खतरनाक बिजली की लाइनों से संबंधित है। इसके बारे में भी सरकार के स्तर पर प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस पर भी शीघ्र ही दक्षिण हरियाणा विद्युत निगम कार्रवाई प्रारंभ करेगा। जिसमें रिहायशी इमारतों के ऊपर से गुजरने वाली छोटी तथा मध्यम श्रेणी की बिजली की लाइनों को हटाया जाएगा।

नारनौल। राहगीरों को शरबत पिलाते ग्रुप के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप ने लगाई छबील

नारनौल। नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप ने गंगा दशहरा व निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में रविवार को शीतल पेयजल पिलाकर राहगीरों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई। महावीर चौक रोटरी रसोई के पास नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने भीषण गर्मी में कुछ राहत प्रदान करने के लिए सभी आने-जाने वालों को शीतल शरबत पिलाकर उन्हें गर्मी से कुछ राहत देने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि इन दिनों सूर्य देवता अपने प्रचंड प्रकोप पर हैं और चारों तरफ तेज धूप के साथ गर्मी अपने चरम पर है। संस्था प्रधान मनीष गोगिया ने बताया कि ऐसी प्रचंड गर्मी में शीतल जल एवं पेय पदार्थ ही लोगों के लिए राहत का स्तोत्र हैं। रविवार को भीषण गर्मी के बीच करीब 5000 से भी अधिक राहगीरों को शीतल पेय पिलाकर गर्मी से राहत दिलाई। संस्था के सम्मानित पवन यादव व कमल सचदेवा ने कहा कि इस प्रचंड गर्मी में अत्यंत जरूरी हो तभी लोग अपने घरों से बाहर निकले। नरेश गोगिया ने बताया किगर्मी से परेशान लोगों ने शीतल जल पीकर राहत महसूस की। इस नेक कार्य में सेवा करने के लिए स्लम एरिया टैलेंट संस्था के बच्चों ने भी अहम भूमिका निभाते हुए शीतल पेय लोगों में वितरित कर सहयोग प्रदान किया। वहीं रेडक्रॉस से डा. एसपी सिंह का भी विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर पवन यादव, मुकेश कुमारी यादव, हनी गुप्ता, टीटू सोनी, विपिन गोयल, कमल सचदेवा, राकेश यादव चेयरमैन, सुरेश चौधरी, प्रवीण संघी, नवीन गुप्ता आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

राधा कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। नगर में निष्काम भाव से राधा नाम की अलख जगाने वाला राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 74वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह फेरी महेंद्र कुमार, राधेमोहन करोता वाले के निवास स्थान मोहल्ला खड़खड़ी से आरंभ हुई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में पहुंचे पुरुष, महिला, बच्चों ने ढोल मंजीरा की धुन पर राधे-राधे का गुणगान किया। परिक्रमा मार्ग में लोगों ने नाच गाकर प्रभात फेरी का स्वागत करते हुए जगह-जगह पर आरती की। वहीं राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से 23 जून को अपनी 75वीं फेरी भव्य रूप से प्लेटिनम जुबली के रूप में नई मंडी नजदीक राजीव चौक से निकाली जाएगी।

बीएस-6 बसें नारनौल में ही रखने की मांग

नारनौल। रोडवेज कर्मचारी यूनियन के नारनौल डिपो प्रधान अनिल भीलवाड़ा ने डिपो की दस नई टॉप मॉडल बसों को सिरसा भेजने एवं कुरुक्षेत्र से पुरानी खचाड़ा किस्म की दस बसें नारनौल भेजे जाने पर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने बताया कि नारनौल डिपो में वर्तमान में 10 एसी बसें हैं। इन बसों से विभाग को आमदनी अच्छी-खासी होने के साथ-साथ आम जनता को सफर के दौरान गर्मी से राहत भी मिल रही थी, लेकिन विभाग ने इन 10 बीएस-6 बसों को सिरसा डिपो में भिजवाने का फरमान जारी कर दिया है और इनकी जगह कुरुक्षेत्र डिपो से 10 बीएस-4 अशोक लीलैंड की बसों को मंगवाया जा रहा है। कुरुक्षेत्र डिपो से आने वाली 10 बसें डाउन मॉडल की हैं, जो कि निकट भविष्य में जल्द ही कंडम हो जाएंगी।

गैस एजेंसी से नकदी चोरी के दो और आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। गैस एजेंसी का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए सीआईए ने दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान ललित वासी रायमिलकपुर नांगल चौधरी व मोतीलाल वासी बावल रेवाड़ी के रूप में हुई। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को पहले गिरफ्तार किया था, जिनसे पूछताछ में नकदी बरामद की थी।

जल मानव जीवन का आधार: सरपंच वर्षा रानी

मंडी अटेली। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव गुजरवास में जूनियर रेडक्रॉस ब्लॉक कोऑर्डिनेटर डॉ. सीएस वर्मा के दिशा-निर्देशन में जल और जीवन विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के प्रबुद्ध लोगों सहित स्वयंसेवकों ने जल संरक्षण पर अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सरपंच वर्षा रानी ने कहा कि जल मानव-जीवन का मूल आधार है। जल के बिना जीवन की कल्पना करना भी संभव नहीं है। इसलिए जल की एक-एक बूंद को सहेज कर रखना चाहिए। सेमिनार में मास्टर ओमप्रकाश चौहान ने वर्तमान समय में बढ़ रहे पानी के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जल जीवन की अमूल्य निधि है। यदि इसे संभाल कर न रखा गया तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पर्यावरण

करीब 500 महिलाओं को मशरूम और केंचुआ खाद का दे चुकी है प्रशिक्षण

आर्गेनिक खेती कर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी सुनीता यादव, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो चुकी है सम्मानित

- ग्रुप के माध्यम से 300 महिलाओं को मोटे अनाज के उत्पादन, केंचुआ खाद व मशरूम तैयार कर रहीं है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ

महेंद्रगढ़। सुनीता देवी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के प्रति एक धारणा बनी हुई है कि उन्हें घर के चूल्हे चौके तक ही सीमित रखा जाता है। महिला को घर की दहलीज के अंदर रहकर घरेलू कामकाज संभालना है। पुरुष ही परिवार का भरण पोषण को कमाने घर से बाहर निकलेंगे। पुरुष प्रधान समाज में बवानियां गांव निवासी महिला किसान सुनीता यादव ने इस मिथक को तोड़ कर न केवल अपने आप को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि वे अन्य महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल बन गई है। महिला किसान सुनीता यादव करीब 8 साल से 4 एकड़ में आर्गेनिक खेती कर रही हैं। वहीं 2 साल से मशरूम की खेती, 3 साल से गोबर प्लांट लगाया हुआ हैं। इसके अलावा बाजरा से बने उत्पाद लड्डू, नमकीन, मटर, मठी व अचार भी बना रही है। सुनीता यादव द्वारा बवानियां गौरव ग्रुप के माध्यम 300 महिलाओं को मोटे अनाज के उत्पादन, केंचुआ खाद व मशरूम तैयार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र की करीब 500 महिलाओं को मशरूम व केंचुआ खाद का प्रशिक्षण दे चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुनीता को मिला अवॉर्ड:

पिछले दिनों गांव बवानियां निवासी सुनीता यादव को भारतीय कृषि अनुसंधान दिल्ली ने इनोवेटिव फार्मर अवॉर्ड से सम्मानित किया था। इसके लिए हरियाणा की एकमात्र महिला सुनीता यादव का चयन किया गया था। इनोवेटिव फार्मर अवॉर्ड के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राज्य से केवल एक ही प्रतिभागी का चयन होता है। इनोवेटिव फार्मर (नवोन्मेषी किसान) कृषि क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है। सम्मेलन में छह राज्यों के सात किसानों को फेलो फार्मर (अध्येता किसान) व 22 राज्यों के 33 किसानों को इनोवेटिव फार्मर (नवोन्मेषी किसान) अवॉर्ड-2024 के लिए चुना गया था। इन किसानों ने परंपरागत खेती की बजाय नई तकनीक से खेतीबाड़ी में समावेश कर अपनी आय बढ़ाने के साथ-साथ अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत का काम किया है।

यह उत्पादन बने पहचान:

सुनीता यादव ने बताया कि वर्तमान में सालाना करीब 50 क्विंटल मशरूम व एक हजार क्विंटल केंचुआ खाद का उत्पादन कर रही हैं। साथ ही क्षेत्र की करीब 500 महिलाओं को मशरूम व केंचुआ खाद का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। इसके अलावा वर्तमान समय में मोटे अनाज के रूप में क्षेत्र की प्रमुख फसल बाजरे से विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री बनाकर 50 क्विंटल से अधिक दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, कुरूक्षेत्र, चंडीगढ़ सहित देश के अन्य भागों में आपूर्ति कर रही हैं। बवानियां गौरव ग्रुप के माध्यम 300 महिलाओं को मोटे अनाज के उत्पादन, केंचुआ खाद व मशरूम तैयार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा बायोगैस प्लांट व चार एकड़ में आर्गेनिक खेती कर जिले की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

मिड-डे मील कार्यकर्ता स्कूलों में बच्चों के लिए खाना बनाने का काम करती हैं: सुनिता

मिड-डे मील कर्मियों को 3 माह से नहीं मिल रहा वेतन, उठानी पड़ रही परेशानियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सरकार के प्रति नारेबाजी करते मिड-डे मील कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन एआईयूटीयूसी के बैनर तले रविवार को महेंद्रगढ़ ब्लॉक की मिड-डे मील कुक कम हेल्पर्स की मीटिंग चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में ब्लॉक प्रधान हेमलता की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग का संचालन यूनियन जिला प्रधान सुनीता ने किया।

जिला प्रधान सुनीता ने कहा कि मिड-डे मील कार्यकर्ता स्कूलों में बच्चों के लिए खाना बनाने का काम करती है, जो केंद्र व राज्य सरकार की पौषाहार नीति को लागू कर बच्चों को कुपोषण से बचाने का काम करती हैं। मिड-डे मील कर्मियों का आजीविका का कोई और स्रोत नहीं है। पिछले तीन महीने से मानदेय नहीं मिलने से मिड-डे मील कर्मियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। मिड-डे मील कर्मियों को अपने परिवार का भरण पोषण मुश्किल हो गया हैं। मिड-डे मील कार्यकर्ता लंबे समय से स्कूलों में खाना बना रही है, लेकिन मिड-डे मील कर्मियों को सरकार ना ही अपने कर्मचारी मान रही है और ना ही श्रमिक का दर्जा दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि मिड-डे मील कर्मियों के लंबे समय से संतोषप्रद कार्य के मध्य नजर नियमित बनाने की नीति बनाकर नियमित कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, सेवानिवृति की उम्र 65 वर्ष की जाए, सेवानिवृति पर पांच लाख एकमुश्त लाभ प्रदान किया जाए, 15 बच्चों पर एक मिड-डे मील कार्यकर्ता लगाया जाए, स्कूल बंद होने की स्थिति में मिड-डे मील कर्मियों को समीपवर्ती स्कूल में समायोजित किया जाए, दो साल की बकाया वर्दी का भुगतान किया जाए, साल में 20 दिन का आकस्मिक अवकाश लागू किया जाए, वेतन हर महीने पहली तारीख को दिया जाना सुनिश्चित किया जाए, पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिलने से गंभीर आर्थिक स्थिति का सामना कर रही मिड-डे मील कर्मियों को बकाया वेतन भुगतान किया जाए। ब्लॉक प्रधान हेमलता ने कहा कि सरकार मिड-डे मील कुक कम हेल्पर्स की न्यायसंगत मांगों को स्वीकार करे, यही मिड-डे मील कर्मियों की ममतामयी भावना का सच्चा सम्मान होगा। जिला प्रधान सुनीता ने बताया कि मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य प्रधान राजबाला व महासचिव कुसुम पांचाल के नेतृत्व में इसी महीने में शिक्षा मंत्री व निदेशक, मौलिक शिक्षा निदेशालय पंचकूला से मिड-डे मील कर्मियों की न्यायसंगत मांगों को लेकर वार्ता की जाएगी। उन्होंने कहा कि 28 जुलाई को मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन के राज्य स्तरीय सम्मेलन में भी जिले की मिड-डे मील कार्यकर्ता भाग लेंगी। एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सूबे सिंह ने मिड-डे मील कर्मियों से एकजुट होकर एआईयूटीयूसी के बैनर तले आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया। मीटिंग में सर्वसम्मति से बनिता को सचिव, दया को उपप्रधान, मुनेश को सहसचिव चुना गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कमलेश, दया, बनिता, मंजू, बिमला, बीना, सुमन, सुनील, मूर्ति, बाला, माया, साधना, ओमबाई, अनीता, नारायणी, लक्ष्मी, कविता, राजबाला, संतोष, लक्ष्मी आदि उपस्थित रही।

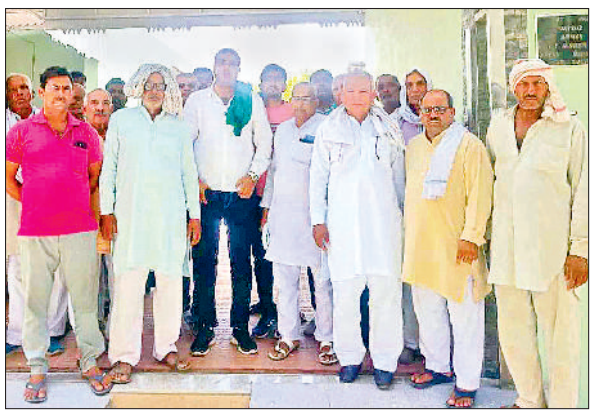

महेंद्रगढ़। बैठक करने के बाद उपस्थित किसान। फोटो : हरिभूमि

सरकार से उचित मुआवजा राशि के लिए हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा दिल्ली किसान संगठन द्वारा खेतडी नरेला पावर ग्रीड से संबंधित किसानों को सरकार द्वारा उचित मुआवजा राशि के लिए रविवार को गांव नांगल हरनाथ में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सत्येंद्र सिंह नरेला हरियाणा दिल्ली किसान संगठन के द्वारा की गई, जिसमें किसानों द्वारा पावर ग्रिड का मुआवजा एचटी लाइन मार्केट रेट से ढाई गुना देने की मांग की गई तथा किसानों की सुरक्षा से संबंधित कानून बनाने एवं दुर्घटना होने पर उचित मुआवजा देने पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा किसानों के खेतों से जाने वाली लाइन का भी मुआवजा राशि की मांग की गई। बैठक में सर्वसम्मती से यह फैसला लिया गया कि जब तक पावर ग्रीड पर कोई भी काम नहीं करने देंगे, जब तक दिल्ली-हरियाणा नई यूनीफॉर्म पॉलिसी लागू नहीं हो जाती। बैठक के दौरान फैसला लिया गया कि इस संबंध में निकट भविष्य में एक महाकिसान पंचायत का आयोजन यादव सभा में किया जाएगा, जिसमें दिल्ली व हरियाणा के किसान नेता भाग लेंगे। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि अजेंद्र सिंह, गिरवर सिंह, धर्मपाल शर्मा, गजराज बचीनी, प्रकाश, धर्मचंद व हवा सिंह खेड़ा मौजूद रहे।

मनीष गोगिया व मुकेश देवी को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। मनीष गोगिया व मुकेश देवी को सम्मानित करते राकेश यादव।

शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप के संस्थापक मनीष गोगिया व संस्था के सम्मानित सदस्य पवन यादव की पत्नी मुकेश देवी को रविवार को उनके निवास स्थान पर जाकर यूएसएसएल अकैडमी के चेयरमैन राकेश यादव ने किया सम्मानित। इस अवसर पर राकेश यादव ने बताया कि दोनों को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस पर अंबाला में आयोजित कार्यक्रम में प्रशंसा पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश यादव चेयरमैन यूएसएसएल अकैडमी थे। उन्होंने बताया कि मनीष गोगिया ने अपने जीवनकाल में 39 बार रक्तदान किया। अनेक रक्तदान शिविर लगाए, आपातकालीन में रक्त उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता रहती है। वहीं मुकेश देवी भी निरंतर सेवा करती रहती है, उन्होंने पिछले काफी दिनों से पानी की छबीले लगाकर सेवा की तथा सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेती है व रक्तदान में सहयोग किया।

संत कबीरदास ने दिया पाखंड को खत्म करने का संदेश

- कार्यक्रम का आयोजन स्लम जागृति समिति ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

संत सिरोमणि कबीर दास की जयंती आंबेडकर भवन पटीकरा में मनाई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन स्लम जागृति समिति की ओर से किया गया। जिसमें प्रदेश कोर्डिनेटर किसान मोर्चा भाजपा वासु देव यादव ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने बताया कि जिस तरह से संत कबीर दास जी ने समाज में ऊंच-नीच, भेदभाव व पाखंड को खत्म करने के लिए संदेश दिया, आज उस पर अमल करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर समिति ने उन्हें संत कबीर दास जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया।

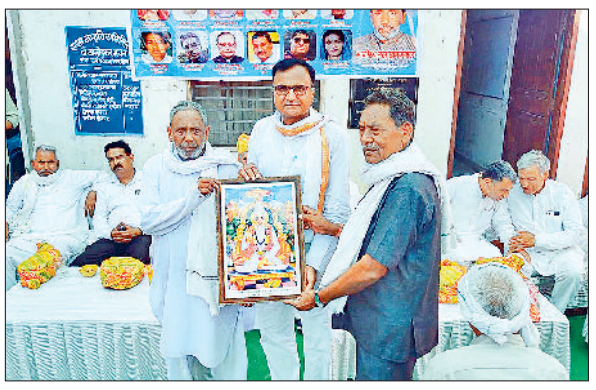

नारनौल। वासुदेव यादव को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक ओमप्रकाश यादव, चौधरी धर्मपाल, शिवकुमार महत्ता, बेगराज सैनी, कामरेड मुंसीराम, महिपाल, ओपी खनगवाल, भागीरथ खनगवाल अध्यक्ष स्लम जागृति समिति, मेजर ईश्वर सिंह, राजेश्वरी, राजसिंह आदि मौजूद थे।

नीम करौली बाबा के कैंची धाम का स्थापना दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित शहर के लोग। फोटो : हरिभूमि

शहर के बाबा ब्रह्मचारी आश्रम में उत्तराखण्ड के नैनीताल जिले में स्थित बाबा नीम करौली महाराज के श्री कैंची धाम का 60वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बाबा का पूजन करने उपरांत खीर और मालपुए का प्रसाद वितरित किया गया। ब्रह्मचारी आश्रम के प्रधान दिनकर बोहरा और बाबा नीम करौली के भक्त अमित मिश्रा ने संयुक्त रूप से बताया कि बाबा नीम करौली हनुमानजी के अनन्य भक्त थे और कैंची धाम सहित देशभर में उनके सैंकडों मंदिर हैं। 15 जून को स्वयं बाबा नीम करौली ने नैनीताल के नजदीक कैंची गांव में पहले मंदिर की स्थापना की थी। बाबा के चमत्कारों की एक लंबी सूची है। ऐपल कंपनी के मालिक स्टीव जॉब्स, फेसबुक के मालिक मार्क जुकारबर्ग, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर विराट कोहली सहित देश विदेश में बाबा के करोड़ों भक्त हैं। हमारे क्षेत्र से भी जड़ी संख्या में लोग बाबा के दर्शन करने जाते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सेवानिवृत मुख्याध्यापक जयप्रकाश मिश्रा, गिरीश कनौड़िया, रामप्रकाश कौशिक, राजेश लावणिया, राजेंद्र पोपली, आशीष कौशिक, सुभाष तिवाड़ी, शेर सिंह यादव व सुरेश सैनी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

नशा न करने की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पुलिस की ओर से जिले में आमजन को नशे के दुष्परिणामों के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी मुहिम के तहत थाना सदर पुलिस ने गांव मुकुंदपुरा में ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने जानकारी दी कि नशा लाखों परिवार बर्बाद कर चुका है और कर रहा है। जिस वजह से हर साल हजारों नवयुवक नशे की दलदल में फंसकर अपनी जान गंवा बैठते हैं। उन्होंने कहा कि नशे से पीड़ित व्यक्तियों को नशा छुड़ाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, पुलिस के साथ-साथ आमजन का भी कर्तव्य है। इस दौरान ग्रामीणों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई। पुलिस टीम ने लोगों से कहा कि अपने बच्चों का ध्यान खेलों की तरफ करें, ताकि बच्चे नशे की तरफ ध्यान भी नहीं दे सकें।

प्रजापति जिला सचिव को पितृ शोक: मंडी अटेली राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के जिला सचिव अशोक कुमार खोवाल के 88 वर्षीय पिता चितरूराम का देहांत हो गया। वह पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। चितरू राम सामाजिक कायार्ें में विशेष रुचि रखने के साथ सामाजिक कार्यों में विशेष बढ़-चढ़कर भाग लेते थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

मांग चामुंडा देवी मंदिर ट्रस्ट विवाद: मंदिर पर एक-दो परिवार अपना कब्जा जमाना चाहते हैं

कार्यभार संभाल चांदी और चंदे को कब्जे में ले रिसीवर : नरेंद्र सोनी

हरिभूमि न्यूज नारनौल

अदालत के आदेश पर रिसीवर 15 दिन में करें आदेश की पालना

शहर के प्रसिद्ध एवं प्राचीन चामुण्डा देवी मंदिर पर एक-दो परिवार अपना कब्जा जमाना चाहते है तथा दान में आई चांदी व चन्दे में हेराफेरी कर रहे है। इसी लोभ में वे मंदिर के ट्रस्ट को दो न्यायालयों द्वारा भंग किए जाने पर भी अपना अधिकार नहीं छोड़ रहे हैं। यह आरोप नरेंद्र उर्फ टीटू सोनी ने रविवार प्रेसवार्ता कर भंग ट्रस्ट के कुछ ट्रस्टियों पर लगाए। नरेंद्र सोनी ने कहा कि ट्रस्ट में हो रही अनियमितताओं, चांदी व चन्दे में हेराफेरी को अतिरिक्त सिविल जज वरिष्ठ खण्ड नारनौल के न्यायालय ने मानकर चार जनवरी 2020 को ट्रस्ट को भंग कर दिया था। उसके बाद भंग ट्रस्ट के कुछ ट्रस्टी इस प्रकार से अपील दायर कर रहे हैं, जैसे वह अपनी खुद की जायदाद के लिए न्यायालय में लड़ रहे हो। नरेंद्र सोनी का कहना है कि न्यायालय ने चांदी व चन्दे के गबन को माना था, जिसके बाद यदि उनमें नैतिकता या शर्म होती तो वे माता चामुण्डा देवी से माफी मांगकर अपने आप ही ट्रस्ट से अलग हो जाते लेकिन वे इस तरह से अदालत दर अदालत जा रहे है।

जैसे यह मंदिर व ट्रस्ट उनकी बपौती हो। नरेंद्र सोनी ने कहा कि अतिरिक्त सिविल जज के न्यायालय के फैसले चार जनवरी 2020 के विरूद्ध ट्रस्ट की कार्यकारिणी सहित अन्य नौ लोगों ने अपीलीय न्यायालय में अपील दायर की थी। किंतु अपीलीय न्यायालय ने उनकी अपील की सुनवाई में भी मंदिर व ट्रस्ट में हो रही अनियमितताओं पर अपनी मुहर लगाकर उनकी अपीलों को खारिज कर दिया। दो न्यायालयों द्वारा उनके गबन पर मुहर लगने के बाद भी यदि लोग माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में जाते है तो यह पूरी तरह से साबित हो जाएगा कि उनके किसी प्रकार की कोई नैतिकता नहीं है। मंदिर व ट्रस्ट को अपनी निजी संपत्ति मान रहे है।

नया ट्रस्ट गठित करने की मांग

नरेंद्र सोनी ने यह भी कहा कि विचारण न्यायालय ने उन्हें मंदिर का रिसीवर नियुक्त किया था लेकिन अपीलीय न्यायालय ने जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा को रिसीवर नियुक्त किया है। उनकी मांग है कि रिसीवर जल्द ही मंदिर से जुड़ी चांदी व चंदे को अपने कब्जे में करें और जल्द ही नया ट्रस्ट गठित करने की कार्रवाई शुरू करें।